

अभिप्राय पुं. (तत्.) 1. आशय, मतलब, अर्थ, तात्पर्य 2. प्रयोजन 3. किसी कलाकृति आदि का प्रमुख, केंद्रीय या मूल विषय। motive

अभिप्रेत वि. (तत्.) इष्ट, अभीष्ट, अभिलषित, चाहा हुआ।

अभिप्रेरक वि. (तत्.) प्रेरणा देने वाला, प्रेरक।

अभिप्रेरण पुं. (तत्.) प्रेरित करना। इंगित करना, प्रेरणा देना, प्रोत्साहन।

अभिप्लव पुं. (तत्.) 1. खुराफात, उछलकूद, उपद्रव 2. आकस्मिक दुर्घटना या विपत्ति 3. बाढ़।

अभिबंधन पुं. (तत्.) बाणि. किसी सौदे को करने में वचनबद्ध पर्या. प्रतिबद्धता।

अभिभव पुं. (तत्.) 1. पराजय 2. अनादर, तिरस्कार 3. अधिक, प्रबलता।

अभिभावक पुं. (तत्.) 1. संरक्षक 2. दमन या पराजित करने वाला, वशीभूत करने वाला।

अभिभावकता स्त्री. (तत्.) वह विधिमान्य स्थिति जिसमें कोई व्यक्ति किसी अवयस्क या असमर्थ व्यक्ति का संरक्षक (अभिभावक) नियुक्त होता है guardianship

अभिभावन वि. (तत्.) वशीभूतकारी, रुचिकर; अच्छा लगने वाला।

अभिभावित वि. (तत्.) 1. अपमानित, तिरस्कृत 2. वशीकृत 3. आक्रांत।

अभिभावी वि. (तत्.) 1. अपमान करने वाला, आक्रमण करने वाला 2. दबाकर रखने वाला।

अभिभाषण पुं. (तत्.) किसी विशेष अवसर पर पढ़ा जाने वाला (अतिविशिष्ट व्यक्ति का) औपचारिक भाषण, जैसे- संसद् (या विधान सभा) के संयुक्त अधिवेशन के आरंभ में राष्ट्रपति या राज्यपाल का अभिभाषण तु. भाषण।

अभिभू वि. (तत्.) आगे बढ़ा हुआ, वरिष्ठ।

अभिभूत वि. (तत्.) 1. अत्यधिक प्रभावित 2. वशीभूत 3. आक्रांत, पीड़ित।

अभिभूति स्त्री. (तत्.) 1. गहन प्रभाव 2. पराजय, हार 3. वशीभूत होने की स्थिति 4. अपमान 5. आधिक्य।

अभिमंडन पुं. (तत्.) 1. सजावट, शृंगार 2. अपने मत की पुष्टि।

अभिमंत्र पुं. (तत्.) पवित्र करने वाला यंत्र।

अभिमंत्रण पुं. (तत्.) 1. मंत्र द्वारा पवित्र करने की क्रिया 2. मंत्र द्वारा आवाहन करना 3. जादू आदि करना 4. निमंत्रण।

अभिमंत्रित वि. (तत्.) 1. मंत्र से पूत, मंत्र द्वारा पवित्र किया हुआ 2. आहूत।

अभिमत पुं. (तत्.) 1. मनो. वांछित, 2. अभीष्ट 2. सम्मति, राय, विचार 3. मनचाही बात, जैसे- उसका अभिमत था कि हम इस मामले में हस्तक्षेप न करें।

अभिमति स्त्री. (तत्.) 1. राय, विचार 2. अभिमान, गर्व, अहंकार।

अभिमर्दन पुं. (तत्.) पीसने या कुचलने की क्रिया।

अभिमर्श पुं. (तत्.) दे. अभिमर्षण।

अभिमर्ष पुं. (तत्.) 1. स्पर्श, छूना 2. आक्रमण 3. संघर्षण 4. पराजय।

अभिमर्षण पुं. (तत्.) 1. स्पर्श, रगड़ 2. आक्रमण 3. संभोग।

अभिमान वि. (तत्.) 1. अहंकार, गर्व, दर्प 2. स्वाभिमान।

अभिमानि वि. (तत्.) जिसे अभिमान हो, घमंडी।

अभिमुक्ति स्त्री. (तत्.) विधि. किसी को उसके कर्तव्य अथवा दायित्व से मुक्त किए जाने की स्थिति।

अभिमुख वि. (तत्.) 1. किसी की तरफ मुँह किए हुए 2. सामने 3. प्रवृत्त, उद्यत।

अभियंता पुं. (तत्.) मशीनी कल-पुरजों की रचना और उनका संचालन करने वाला विशेषज्ञ, इंजीनियर।